सुपरहीट फिल्म अभीनेता

सन्नी देओल

अपने फिल्मी युग के दौर में एक नया
रुप लेकर आपके सामने आगए है

सिनेमा संगीत भाग ७८

के मुखपुरूष्ठ पर
जिसे आप सिर्फ ३-०० पैसे में भारतके
सभी पेपर या बुकस्टॉल खरीदें साथ
है १९ फिल्मो के संपूर्ण गीते
विज्ञापन नही हर पन्नें पर गीतो से भरा
ये पुस्तक आज ही खरीदे
पत्र व्यवहार का पता

६, ए. विजय चैंबर्स डीलेन्मड सिनेमा
पावशाला स्ट्रीट, बंबई-४००००

- जवानी -

किमत ४० पैसे

... रोस मुवीस प्रेझंट ...

निर्देशक-रमेश बहल ... संगीत-राहुल देव बर्मन

कलाकार-करन शाह,नीलम, शर्मीला टैगोर,मौसमी, चटर्जी

गीत-गुलशन बावरा

जवानी के गाने

अमीत और कोरस- -१-

अमीत-हल्ला गुल्ला मजा है जवानी कोरस-जवानी

अमीत-चढता नशा है जवानी कोरस-जवानी

अमीत-हो बिन पिये

अमीत-हन्नी हन्नी हन्नी हन्नी

कोरस-चिनी मिनी चिनी मिनी

अमीत-बचपन में तो सभी की सही

मानी जो भी बडो ने कही

अब मनमानी करेंगे हम

अपने भी तो दिन हैं यही हल्ला गुल्ला

अमीत-सांसो में एक मेहक आ गई

चाल में थोडी लचक आ गई

क्या चिज है जवानी भी.....

चेहरो पे खुद चमक आ गई हल्ला गुल्ला

अमीत- -२-

मिना अभी हो कमसीन और नादान हो तुम

लेकिन एक जवा दिलका अरमान हो तुम

माना अभी हो कमसीन.....

जिस दिन आ जाओगी प्यार की राहो मे

उस दिन दुनिया होगी मेरी बांहो मे

अभी प्यार की राहो से अनजान हो तुम

माना अभी हो कमसीन.....

बचपन के खिलने से जवानी आती है

भवरा आ जाये कली मुस्काती है

गुलशन में एक ऐसी ही मुस्कान हो तुम

माना अभी हो कमसीन

अमीत, और आशा- ३--

अमीत-भीगा भीगा प्यारा प्यारा

मेहकी सी तनहाई तेरे होठो पे जी चाहे

लिख दूं एक रुबाई.....

आशा-भीगा भीगा प्यारा प्यारा

मेहकी सी तनहाई तेरी शायरी से लगता है

मेरी शामत आई.....

अमीत-भीगा भीगा आशा-प्यारा प्यारा

अमीत-अब तु समझने लगी है मेरी बात

हो गई है बडी समझदार तू
आशा–तेरी सोबत का ये असर है जरा
कम नही है मै जो है होशियार तू
अमीत–अरे ऐसे में ये आना कानी
प्यार की है रुसवाई भीगा २
आशा–ऐसी भोली भाली शक्ल ना बना
मुझ पे होने वाला नही कुछ असर
अमीत–इस तरह की बेरुखी तु छोड दे
कुछ तो बेकरार दिल पे रहम कर
आशा–थामेगा तू हाथ मेरा उंगली जा पकडाई
अमीत–जो भी होगा प्यार मे वो ठीक
प्यार की सीमा नही है जाने जान
आशा–इस से पहले मै कहां कहुं जाने मन
सोचती हुं क्या कहेगा ये जहां

लता, और कोरस ४

सजना मै सदा तेरे साथ हुं
ये जहां हो या जहां साजन
आ जा चलें वहां पेहरे ना हो जहां
ना हो दुश्मन कोई ऐसे जहां मे ही
जा के बसायेगे छोटासा एक आशियां
मेरी निगाहो मे तू ही रहे सदा

मैने बस ये चाहा तेरी लगन मुझे
मेरी लगन तुझे ये लगन युं रहे जवां
तेरे बिना मेरी मेरे बिना तेरी
जिन्दगी है अधूरी बाहे हो बाहो मे
चलता चले ये कारवां सजना

लता, और अमीत– ५

अमीत–गली २ ढुंढा तुझे कौन कौन देखा रे
कहां तु रही दिल जानी.....
लता–मै तो हुं तेरे दिल मे कहां उड गया था पंछी
अमीत–देखा होता आंचल में
अमीत–तेरे बिन जहां भी रहे तेरे कसम ऐसे लगा
सुना सुनापन हो जैसे हर एक मेहफिल मे
लता–गली २ लता–तारो भरी रातो मे जब
देखा आसमान को मैने ऐसा लगा चांद मेरा
छुप गया बादल मे अमीत–गली २
अमीत–अब युं मिले तो दिल मे कई अरमान जागे
कहे तो मै पूरे कर लू.....
लता–डाल दिया मुश्किल में गली २

आशा, अमीत– –६–

आशा–तु रुठा तो मै रो दूं सनम आजा मेरी
बाहो में आ तु रुठा तो.....

आशा–ले लगी जान मेरी तेरी नाराजगी
जिस मे तू खुश रहे मेरी उस मे खुशी तू रुठा तो
अमीत–तेरी ये सादगी ये भोलापन तेरा
मेरा नसीब है खिलता जोबन तेरा
आशा–मेरी बहार तू मेरा करार तू
मस्ती से भर दिया तू ने जीवन मेरा
अमीत–तू मेरी है मैं तेरा हूं सनम
पहली है क्या हस दे जरा
आशा–चुपके से बोल दे दिल मे जो बात है
अब कोई डर नही अपनी हर रात है
अमीत–अपना ये प्यार भी पूजा से कम नही
मुझको ये नाज है तू मेरे साथ है

आशा–तु रुठा तो ....

तैयार है ॥ ॥
तैयार है ॥ ॥

सिनेमा संगीत भाग ७८ वॉ

किमत ३–००

प्रकाशक–एफ. बी. बुरहानपुरवाला सेंट्रल प्रकाशन
सिंलेक्स बिल्डिंग पाववाला स्ट्रीट, बंबई–४
मुद्रक–एस. के खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुजफराबाद हॉल चांट रोड, बंबई–

आजच सेंट्रल बुक क्लबचे सभासद व्हा!

सेन्ट्रल बुक क्लब योजनेत दर महा १० रुपये
भरुन वर्ष आखेर १५० रुपयांची पुस्तके मिळवा

शिवाय **आमचेतर्फे एक पुस्तक भेट**

माहिती पत्रक मागवा

सेन्ट्रल बुक क्लब

C/o सेंट्रल प्रकाशन ६, ए विजय चेम्बर्स
पाववाला स्ट्रीट बंबई–४०० ००४ फो–